NEWS CLIPPING: 20.12.2016

DAINIK BHASKAR

कंप्यूटर डाटा विश्लेषण को आसान बनाते हैं सॉफ्टवेयर : प्रो. दिनेश

बिग डाटा एनालिसिस तथा डाटा व टेक्स्ट माइनिंग विषय पर 19 से 24 दिसंबर तक एफडीपी शुरू

भास्कर न्यूज़ | फरीदाबाद

वाईएमसीए विश्वविद्यालय ने बिग डाटा एनालिसिस तथा डाटा व टेक्स्ट माइनिंग विषय पर 19 से 24 दिसंबर तक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का आयोजन किया है। इसमें विश्वविद्यालय तथा अन्य शिक्षण संस्थानों से लगभग 40 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया। इस मौके पर संकायाध्यक्ष प्रो. संदीप ग्रोवर और संकायाध्यक्ष, इंजीनियरिंग एवं टेक्नालॉजी तथा कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो. सीके नागपाल भी मौजूद थे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. नीलम दूहन कर रही हैं।

फरीदाबाद. वाई एमसीए कॉलेज में फैकल्टी डवलपमेंट कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार।

इस दौरान कुलपति ने कहा कि कंप्यूटर तकनीकि के युग में नवीनतम एप्लिकेशन और सॉफ्टवेयर जो जानकारी एवं आंकड़ों का विश्लेषण करने में मददगार हो, उनकी समझ होना बेहद जरूरी है जो अनुसंधान कार्य को भी आसान बनाते हैं। उन्होंने कहा फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम के चयनित विषय उपयुक्त हैं जो शोधार्थियों को कंप्यूटर अनुप्रयोगों की मदद से सूचनाओं के विश्लेषण का अनुभव प्रदान करेगा। प्रो. नागपाल ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को एसपीएसएस मोड्यूलर का प्रयोग करते हुए उन्नत सांख्यिकीय, डाटा तथा टेक्स्ट माइनिंग तकनीकों की बुनियादी जानकारी तथा कार्य अनुभव प्रदान करना है। उन्होंने कहा डिजिटल इंडिया तथा स्मार्ट सिटी प्रबंधन जैसे कार्यक्रमों की सफलता के लिए बड़े स्तर पर आंकड़ों का विश्लेषण महत्वपूर्ण कार्य है। डाटा तथा टेक्स्ट माइनिंग सोशल मीडिया टूल जैसे ब्लॉग आदि में लोगों के विचारों को समझने तथा विश्लेषण करने में मददगार होते हैं। सप्ताहभर चलने वाले कार्यक्रम को उद्योग तथा अकादमी दोनों क्षेत्रों के विशेषज्ञ संबोधित करेंगे।

NEWS CLIPPING: 20.12.2016

DAINIK JAGRAN

वाईएमसीए की डिजिटल प्रणाली देखने पहुंची टीम

प्रदेश में डिजिटल विवि की अवधारणा की जांच की

जासं, फरीदाबाद : सरकार की ओर से प्रदेश मे डिजिटल विश्वविद्यालय की अवधारणा को प्रभावी ढंग से लागू करने के उद्देश्य से गठित दो सदस्यीय समिति ने वाइएमसीए का दौरा किया। समिति ने विश्वविद्यालय में विभिन्न स्तर पर डिजिटल प्रणाली लागू करने के लिए किए जा कार्यों की समीक्षा की।

समिति में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, हरियाणा के तकनीकी निदेशक सुशील कुमार और महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा के उप कुलसचिव (परीक्षा व अकादमिक) दर्शन जी मारू शामिल है। समिति ने कुलपति डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल को बताया कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के दिशा-निर्देश पर राज्य के विश्वविद्यालयों में डिजिटल प्रणाली की ओर बढ़ावा देने का अभियान शुरू किया गया है। इस कड़ी में समिति राज्य के सात विश्वविद्यालयों का दौरा कर चुकी है। वाईएमसीए विश्वविद्यालय के लिए समिति ने ई-गवर्नेंस संसाधनों को अपनाने को कहा। इसके अंतर्गत लेखा विवरण, अंतर-विभागीय फाइल मूवमेंट व दाखिला प्रक्रिया एकीकृत ऑनलाइन नेटवर्क पर उपलब्ध होने चाहिए। इसके अलावा, विश्वविद्यालय ऐसी कार्य प्रणाली विकसित करें कि जिससे विद्यार्थियों को ई-डिग्री सुविधा मिल सके, जिसे सीधे उनके डिजिटल लॉकर के साथ लिंक किया जा सके। ऐसा करने से डिग्री का सत्यापन भी ऑनलाइन किया जा सकेगा।

उन्होंने विश्वविद्यालय में ऑनलाइन फीडबैक प्रणाली को भी और अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार वाईएमसीए विवि को डिजिटल विश्वविद्यालय के रूप में विकसित करने को लेकर हुई बैठक में राज्य सरकार की दो सदस्यीय समिति के साथ।

NEWS CLIPPING: 20.12.2016

AAJ SAMAJ

'कंप्यूटर डाटा विश्लेषण अनुसंधान को उपयोगी'

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा एसपीएसएस साउथ एशिया प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में बिग डाटा एनालिसिस तथा डाटा व टैक्स्ट माइनिंग विषय पर 19 से 24 दिसंबर, 2016 तक फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय तथा अन्य शिक्षण संस्थानों से लगभग 40 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है।

कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. दिनेश कुमार।

कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष, संस्थान प्रो. संदीप ग्रोवर और संकायाध्यक्ष, इंजीनियरिंग एवं टैक्नोलॉजी तथा कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो. सी. के. नागपाल उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. नीलम दूहन कर रही है। कार्यक्रम में कुलपति ने कहा कि प्रत्येक क्षेत्र में कंप्यूटर के बढ़ते उपयोग के कारण सूचनाओं और जानकारी का बड़ा डाटा एकत्रित हो रहा है, जिसका आकार निरंतर बढ़ता जा रहा है और ऐसे आंकड़ों का विश्लेषण करना एक कठिन प्रक्रिया है। इस संदर्भ में नवीनतम एप्लीकेशन और सॉफ्टवेयर जो जानकारी एवं आंकड़ों का विश्लेषण करने में मददगार हो, उनकी समझ होना बेहद जरूरी है।

NEWS CLIPPING: 20.12.2016

AMAR UJALA

'अनुसंधान के लिए जरूरी है सॉफ्टवेयर की समझ'

फरीदाबाद (ब्यूरो)। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी और एसपीएसएस साउथ एशिया प्राइवेट लिमिटेड की ओर से छह दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम की शुरूआत सोमवार से हुई। 'बिग डाटा एनॉलिसिस, डाटा व टैक्ट्स माइनिंग' विषय पर 19 से 24 दिसंबर तक यह कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी और अन्य शिक्षण संस्थानों से लगभग 40 प्रतिभागी शामिल होंगे। कार्यक्रम का उदघाटन सोमवार को कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया।

कुलपति ने इस मौके पर कहा कि कंप्यूटर के बढ़ते उपयोग के कारण सूचनाओं और जानकारी का बड़ा डाटा एकत्रित हो रहा है, जिसका आकार निरंतर बढ़ता जा रहा है और ऐसे आंकड़ों का विश्लेषण करना एक कठिन प्रक्रिया है। इस संदर्भ में नवीनतम एप्लीकेशन और सॉफ्टवेयर की समझ होना बेहद जरूरी है जो शोध कार्य को भी आसान बनाते है। प्रो. सीके नागपाल ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को एसपीएसएस मॉड्यूलर का प्रयोग करते हुए उन्नत सांख्यिकीय, डाटा और टेक्स्ट माइनिंग तकनीकों की बुनियादी जानकारी और अनुभव देना है। डिजिटल इंडिया और स्मार्ट सिटी प्रबंधन जैसे कार्यक्रमों की सफलता के लिए बड़े स्तर पर आंकड़ों का विश्लेषण महत्वपूर्ण कार्य है।

NEWS CLIPPING: 20.12.2016

HINDUSTAN

डिजिटल कार्यों की समीक्षा की

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सोमवार को डिजिटल भारत अभियान के तहत बैठक हुई। इसमें कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने अधिकारियों की ओर से विभिन्न स्तर पर डिजिटल प्रणाली लागू करने के किए जा रहे कार्यों की समीक्षा ली।

इस दौरान विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र हरियाणा के तकनीकी निदेशक सुशील कुमार व महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा के उप कुलसचिव दर्शनजी मारू शामिल रहे। उन्होंने सरकार की डिजिटल यूनिवर्सिटी फ्रेमवर्क योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय द्वारा ई-गवर्नेंस संसाधनों को अपनाया जाए। इसमें लेखा विवरण, अंतर-विभागीय फाइल मूवमेंट व दाखिला प्रक्रिया जैसी चीजें शामिल हैं।

NEWS CLIPPING: 20.12.2016

PUNJAB KESARI

'बिग डाटा एनालिसिस तथा डाटा व टैक्स्ट माइनिंग' पर कार्यक्रम

फरीदाबाद, 19 दिसम्बर (सूरजमल): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फरीदाबाद द्वारा एसपीएसएस साउथ एशिया प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में 'बिग डाटा एनालिसिस तथा डाटा व टैक्स्ट माइनिंग' विषय पर 19 से 24 दिसम्बर, 2016 तक फैकल्टी डेवलेपमेंट कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय तथा अन्य शिक्षण संस्थानों से 40 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है।कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया।इस अवसर पर संकायाध्यक्ष, संस्थान प्रो. संदीप ग्रोवर और संकायाध्यक्ष, इंजीनियरिंग एवं टैक्नोलॉजी तथा कम्प्यूटर इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो. सीके नागपाल भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. नीलम दूहन कर रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि प्रत्येक क्षेत्र में कम्प्यूटर के बढ़ते उपयोग के कारण सूचनाओं और जानकारी का बड़ा डाटा एकत्रित हो रहा है, जिसका आकार निरंतर बढ़ता जा रहा है और ऐसे आंकड़ों का विश्लेषण करना एक कठिन प्रक्रिया है। इस संदर्भ में नवीनतम एप्लीकेशन और सॉफ्टवेयर जो जानकारी एवं आंकड़ों का विश्लेषण करने में मददगार हो, उनकी समझ होना बेहद जरूरी है जो अनुसंधान कार्य को भी आसान बनाते है।

पंजाब केसरी ई-पेपर Tue, 20 [
epaper.p

NEWS CLIPPING: 20.12.2016

HADOTI ADHIKAR

कम्प्यूटर डाटा विश्लेषण को आसान बनाते है सॉफ्टवेयर : प्रो. दिनेश

फरीदाबाद, 19 दिसम्बर (अ.स.)। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा एसपीएसएस साउथ एशिया प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में 'बिग डाटा एनालिसिस तथा डाटा व टैक्स्ट माइनिंग' विषय पर 19 से 24 दिसम्बर तक फैकल्टी डेवलेपमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय तथा अन्य शिक्षण संस्थानों से लगभग 40 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है।

कार्यक्रम का उदघाटन कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष, संस्थान प्रो. संदीप ग्रोवर और संकायाध्यक्ष, ईजीनियरिंग एवं टैक्नोलॉजी तथा कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो. सी. के. नागपाल भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. नीलम दूहन कर रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि प्रत्येक क्षेत्र मैं कंप्यूटर के बढ़ते उपयोग के कारण सूचनाओं और जानकारी का बड़ा डाटा एकत्रित हो रहा है, जिसका आकार निरंतर बढ़ता जा रहा है और ऐसे आंकड़ों का विश्लेषण करना एक कठिन प्रक्रिया है। इस संदर्भ में नवीनतम एप्लीकेशन और सॉफ्टवेयर जो जानकारी एवं आंकड़ों का विश्लेषण करने में मददगार हो, उनकी समझ होना बेहद जरूरी है जो अनुसंधान कार्य को भी आसान बनाते है। फैकल्टी डेवलेपमेंट कार्यक्रम के चयनित विषय उपयुक्त है जो शोधार्थियों को कंप्यूटर अनुप्रयोगों की मदद से सूचनाओं के विश्लेषण का अनुभव प्रदान करेगा।

कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए प्रो. सी. के. नागपाल ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को एसपीएसएस मोड्यूलर का प्रयोग करते हुए उन्नत सांख्यिकीय, डाटा तथा टेक्स्ट माइनिंग तकनीकों की बुनियादी जानकारी तथा कार्य अनुभव प्रदान करना है।डिजिटल इंडिया तथा स्मार्ट सिटी प्रबंधन जैसे कार्यक्रमों की सफलता के लिए बड़े स्तर पर आंकड़ों का विश्लेषण महत्वपूर्ण कार्य है। डाटा तथा टेक्स्ट माइनिंग सोशल मीडिया टूल जैसे ब्लॉग इत्यादि में लोगों के विचारों को समझने तथा विश्लेषण करने में मददगार होते है।